BAPPA SRI NARAIN VOCATIONAL POST GRADUATE COLLEGE (KKV)

STATION ROAD, CHARBAGH, LUCKNOW, UTTAR PRADESH-226001

PROF. ANIL KUMAR PANDEY
HEAD
EMAIL: anilpandey142@gmail.com
MOB. NO.: 9919990950
DATE: 27/02/2023

रिपोर्ट

'सनातन संस्कृति का मूल है जनजातीय संस्कृति'

केकेवी में जनजाति गौरव दिवस के रूप में मनाई गई भगवान बिरसा मुंडी की जयंती

■ एनबीटी, लखनऊ

बप्पा श्री नारायण वोकेशनल (केकेवी) कॉलेज में मंगलवार को भगवान बिरसा मुंडी की जयंती पर जनजाति गौरव दिवस का आयोजन हुआ। इसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक और मुखपत्र राष्ट्रधर्म के निदेशक डॉ. मनोज कांत ने कहा कि जनजातीय संस्कृति भारतीय संस्कृति का मूल है। हालांकि विकास के अनुक्रम में विभिन्न लोग अपने मूल से भटक गए हैं।

विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान और शिक्षा शास्त्र विभाग बप्पा श्री नारायण वोकेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय के आयोजन में विशिष्ट वक्ता के तौर पर वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सतीश पाल ने देश की विभिन्न जनजातियों की सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए, उनके संरक्षण एवं संवर्धन पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि लोहिया विवि के पूर्व कुलपति प्रो.संजय सिंह ने जनजातीय सामासिक संस्कृति के संरक्षण के लिए विभिन्न सरकारी और गैर सरकारी प्रयासों का उल्लेख किया।

शिक्षा शास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार पांडे ने कहा की अंग्रेजों ने देश की मूल संस्कृति को नष्ट करने को तमाम प्रयास किए लेकिन फिर भी जनजातीय समाज अपनी मौलिकता को कायम रखने में सफल रहा। उन्होंने धर्मपाल की पुस्तक ब्यूटीफुल ट्री का महत्व बताते हुए पढ़ने की सलाह दी। विद्या भारती के प्रदेश सचिव डॉ. मंजुल त्रिवेदी के संचालन में हुए कायक्रम में प्रो. जयशंकर, प्रो. जय प्रताप सिंह, प्रो. गीतारानी, प्रो. सीएल बाजपेयी, प्रो. रश्मि गुप्ता, प्रो. वंदना कुमार, प्रो. राजीव दीक्षित, डॉ. प्रणव कुमार मिश्र, डॉ. उमेश सिंह, डॉ. प्रमिला पांडेय, डॉ. मोहनलाल मौर्य, डॉ. संजय शुक्ला, डॉ. केसी चौरसिया उपस्थित रहे।

सनातन संस्कृति का मूल है जनजातीय संस्कृति

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक व संघ के मुखपत्र राष्ट्रधर्म के निदेशक डॉ. मनोज कांत ने बताया है कि बिरसा मुंडा जी को शिक्षित करने के लिए उनके माता-पिता को अपना धर्म परिवर्तित करना पड़ा। वे विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान व बीएसएनवी पीजी कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में बिरसा मुंडा की जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जनजातीय संस्कृति भारतीय संस्कृति का मूल है। विशिष्ट वक्ता वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सतीश पाल, प्रो. संजय सिंह, डॉ. मंजुल त्रिवेदी, प्रो. जयशंकर पांडेय आदि मौजूद रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)

बिरसा मुंडा की जयंती पर हुई प्रतियोगिता

लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल में मंगलवार को बिरसा मुंडा की जयंती जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाई गई। मंडल रेल प्रबंधक आदित्य कुमार ने महान स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण किया। डीआरएम कार्यालय के सभागार में निबंध लेखन प्रतियोगिता भी हुई। (माई सिटी रिपोर्टर)

सनातन संस्कृति का मूल है जनजातीय संस्कृति : डा. मनोज

जासं, लखनऊ : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक डा. मनोज कांत ने कहा कि जनजातीय संस्कृति भारतीय संस्कृति का मूल है। हम सभी विकास के अनुक्रम में विभिन्न भौतिक आयामों से आबद्ध होकर अपने मूल से भटक कर वर्तमान स्वरूप में आ गए हैं, जिसे आधुनिकता कहते हैं। बप्पा श्री नारायण वोकेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय (केकेवी) में विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान एवं केकेवी के शिक्षा शास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में बिरसा मुंडा की जयंती पर वरिष्ठ आइएएस अधिकारी सतीश पाल ने कहा कि जनजातियों का अस्तित्व विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में रहा है, जिनकी विशिष्ट संस्कृति रही है। अवध विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. संजय सिंह, डा. मंजुल त्रिवेदी, प्रो. जय शंकर पांडे, प्राचार्य प्रो. रमेश धर द्विवेदी, प्रो. अनिल पांडेय ने भी विचार रखे।

(Head)
Department of Education